भारत में फिर दस्तक देगा सिल्वेनिया

सत्रह साल बाद दिवाली तक दोबारा लांच होंगे कंपनी के लाइटिंग उत्पाद

■ नितिन प्रधान, नई दिल्ली

हैवेल्स के ज्वाइंट एमडी अनिल गुप्ता

एक्सक्लूसिव स्टोरी

- **तीन साल में 500 करोड़ रुपये के टर्नओवर का लक्ष्य घरेलू उपयोग के उत्पादों पर देगी ध्यान**
- **हैवेल्स की सहायक कंपनी है सिल्वेनिया एसएलआई**

करीब सत्रह साल बाद सिल्वेनिया ब्रांड फिर भारत लौट रहा है। लाइटिंग इंडस्ट्री के इस जाने माने ब्रांड के उत्पाद तीन चार महीने में घरेलू बाजार में मिलने लगेगा। कंपनी के उत्पादों की पूरी रेंज यहां उपलब्ध होगी।

यूरोप की सिल्वेनिया एसएलआई की भारतीय सहायक कंपनी सिल्वेनिया इंडिया घरेलू उपयोग के लाइटिंग उत्पादों से लेकर आर्किटेक्चरल और कॉमर्शियल लाइटिंग उत्पादों को भी बाजार में उतार रही है। सिल्वेनिया एसएलआई को खरीदने वाली कंपनी हैवेल्स इंडिया के संयुक्त प्रबंध निदेशक अनिल गुप्ता ने दैनिक जागरण से खास बातचीत में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि भारतीय ग्राहकों को दिवाली से पहले सिल्वेनिया के उत्पाद मिलने लगेंगे। आम उपयोग में आने वाले लाइटिंग उत्पादों जैसे बल्ब, ट्यूब और सीएफएल का बाजार काफी बड़ा है। लिहाजा कंपनी का जोर भी इन्हीं उत्पादों पर रहेगा। करीब 2,500 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाली सिल्वेनिया एसएलआई को हैवेल्स ने 2007 में खरीदा था। इससे पहले सिल्वेनिया ब्रांड 1993 में भारत से वापस चला गया था। तब इसका भारतीय कंपनी लक्ष्मण सिल्वेनिया से करार खत्म हो गया था। अनिल गुप्ता ने बताया कि सिल्वेनिया के अलावा लाइटिंग उद्योग में सिर्फ फिलिप्स ही एकमात्र कंपनी है जो सभी तरह के लाइटिंग उत्पाद बनाती है। इसलिए भारतीय बाजार में उन्हें इसका फायदा भी मिलेगा। कंपनी अपनी मार्केटिंग रणनीति का खुलासा अगले कुछ दिनों में करेगी।

भारतीय कारोबार के लिए सिल्वेनिया का प्रबंधन नई टीम का गठन कर रहा है। अनिल गुप्ता के मुताबिक इसके बाद ही पूरी रणनीति को सार्वजनिक किया जाएगा। मगर इतना तय है कि उसका फोकस आम उपयोग में लाई जाने वाले लाइटिंग उत्पादों पर ही ज्यादा रहेगा। हालांकि अब भारतीय बाजार में कॉमर्शियल लाइटिंग का आकार भी बढ़ रहा है। इसलिए कंपनी इस बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। अनिल गुप्ता के मुताबिक इसके लिए कंपनी कांकॉर्ड और ल्यूमियांस जैसे महंगे ब्रांडों को बाजार में उतारेगी। वैसे सिल्वेनिया एसएलआई की मूल कंपनी हैवेल्स पहले से ही भारतीय लाइटिंग बाजार में मौजूद है। इसके बावजूद सिल्वेनिया को स्वतंत्र रूप से भारतीय बाजार में उतारा जा रहा है। हैवेल्स अपने लाइटिंग कारोबार को सिल्वेनिया के जरिए ही नई ऊंचाई तक पहुंचाना चाहती है।

भारत में प्रवेश के बाद कंपनी ने अगले तीन साल में 500 करोड़ रुपये के टर्नओवर का लक्ष्य रखा है। वैसे कंपनी अपने उत्पाद लैटिन अमेरिका और थाईलैंड में भी उतार चुकी है। लैटिन अमेरिका में कंपनी का टर्नओवर करीब 20 करोड़ डॉलर का है। वैसे यूरोप की इस कंपनी का सालाना कारोबार 2,500 करोड़ रुपये का है जिसका 70 प्रतिशत हिस्सा यूरोप से और 30 प्रतिशत लैटिन अमेरिका से आता है।